>

Title: Need to take steps to protect the ancient 'Vikramshila Mahavihar' of national importance which is in a dilapidated condition.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं एक बहुत ही गंभीर विषय की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि विश्व का सबसे बड़ा एक्सकेवेटेड एरिया विक्रमशिला की खुदाई अभी तक पूरी नहीं हुई है। इसकी 100 एकड़ की खुदाई शुरू हुई थी, लेकिन उसमें से सिर्फ 16 एकड़ की खुदाई हुई है। आप जानती हैं कि विक्रमशिला और नालंदा देश की बहुत पुरानी संस्कृति है। नालंदा में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के सहयोग से काफी काम हुआ है। बिहार सरकार उस तरफ ध्यान दे रही है। आर्कियोलोजिकल सर्वे आफ इंडिया को विक्रमशिला का ध्यान रखना था। विक्रमशिला की खुदाई में 208 कमरों का पूरा क्षेत्र था, जिसमें से सिर्फ 52 कमरों की ही खुदाई हुई है और उसमें से जो सामान निकला था, उसके लिए कोई म्यूजियम तक नहीं बना है। मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि करीब 4600 अवशेष निकले थे। करीब 16 एकड़ जमीन वहां अधिग्रहण की गई थी, लेकिन वे अवशेष बाहर ही रख दिए गए। खुदाई करके फायदा पहुंचाने की बजाय सरकार ने नुकसान किया है। विक्रमशिला में आज तक एएसआई ने ध्यान नहीं दिया। मैं प्रधानमंत्री जी से मिला था और प्रधानमंत्री जी ने आर्कियोलोजिकल सर्वे आफ इंडिया के डायरेक्टर जनरल को हमारे अनुरोध पर भागलपुर में विक्रमशिला भेजा था, लेकिन उनके जाने के बावजूद कुछ नहीं हुआ। वहां युद्ध स्तर पर सुधार करने की आवश्यकता है। खुदाई से जो अवशेष निकले हैं, उसके ऊपर पीपल का पेड़ उग गया है। ऐसी स्थिति से अच्छा यह होता कि वहां खुदाई ही न होती। वहां खुदाई करके अवशेष तो निकाल लिए हैं, लेकिन बारिश के कारण तथा आर्कियोलोजिकल सर्वे आफ इंडिया द्वारा उस तरफ ध्यान न देने के कारण अवशेषों को काफी नुकसान हुआ है। विक्रमशिला पूरी दुनिया को शिक्षा देता था। वहां से पूरी दुनिया के अंदर शिक्षा फैली थी। आज उसके संरक्षण की जरूरत है। यह सिर्फ बिहार या मेरे लोकसभा क्षेत्र भागलपुर का ही प्रश्न नहीं है, विक्रमशिला देश की धरोहर है। जब मैं प्रधानमंत्री जी से मिला था, उन्होंने मुझसे सहमति जताई, लेकिन उस काम में अगर देर होती है, तो वे अवशेष नष्ट हो जाएंगे। मैं इस विषय पर आपका भी संरक्षण चाहता हूं और चाहता हूं कि आप चेयर से सरकार को निर्देश दें या मंत्री जी रिस्पोंड करें कि खुदाई के बाद जो अवशेष मिले हैं, उन्हें बचाने के लिए युद्ध स्तर पर कोई काम करेंगे या विक्रमशिला को खोदने के बाद मिटने देंगे। इस विषय पर सरकार को रिस्पोंड करना चाहिए, क्योंकि यह बहुत गंभीर विषय है।

MADAM SPEAKER : S/Shri Udai Singh,

Nishikant Dubey and

P.L. Puniya are associated on this issue.

श्री उदय सिंह (पूर्णिया): महोदया, मैं अपने को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): महोदया, मैं भी अपने को इस विषय से संबद्ध करता हूं।